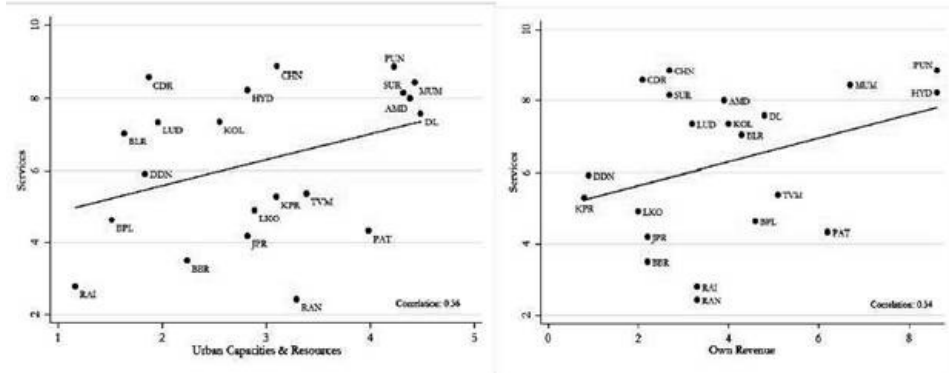


महानगरीय सूत्र पर संपत्ति कर का दोहन अतिरिक्त राजस्व सृजन के लिए किया जा सकता है

Posted On: 31 JAN 2017 1:19PM by PIB Delhi

आज केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली द्वारा संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में बताया गया है कि शहरी स्थानीय इकाइयां (यूएलबी) जिनका प्राथमिक दायित्व शहरों का विकास और सेवा प्रदान करना है, बड़े संरचनात्मक कमी, अपर्याप्त वित्त और खराब शासन की क्षमता से संबंधित बड़ी समस्याओं से जूझ रही हैं। प्रत्येक भारतीय महानगर आज पानी, बिजली आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन सार्वजनिक परिवहन, शिक्षा स्वास्थ्य सेवा और प्रदूषण की समस्या से संबंधित चुनौतियों का सामना कर रहा है।

सर्वे के लिए किए गए विश्लेषण से पता चला है कि बेहतर सेवा डिलीवरी और संसाधनों, स्व राजस्व, कर्मचारियों की संख्या और प्रति व्यक्ति पूंजी व्यय के बीच गहरा संबंध है। (चित्र 1ए, 1बी) विश्लेषण से शासन और सेवा डिलीवरी के बीच कोई साफ संबंध न होने के संकेत मिलते हैं।



चित्र 1ए शहरी क्षमताएं, संसाधन और सेवाएं

चित्र 1बी स्व राजस्व और सेवाएं

इस समय कर राजस्व की समस्या यूएलबी के अपर्याप्त कर लगाने के अधिकारों के कारण नहीं है। इनमें एक संभावनाओं वाला स्रोत संपत्ति कर है। सर्वे के लिए किए गए अध्ययन दर्शाता है कि संपत्ति कर के क्षेत्र में बड़ी संभावना है और महानगर के सूत्र पर अतिरिक्त राजस्व सृजन के लिए इसका दोहन किया जा सकता है। उपग्रह के प्राप्त चित्रों का शहरी शासन में सुधार लाने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो संपत्ति कर की अनुपालना की बेहतर सुविधा प्रदान कर सकता है। अध्ययन में दर्शाया गया है कि बंगलुरु और जयपुर इस समय क्रमशः 5-20 प्रतिशत से अधिक संभावित संपत्ति कर की वसूली नहीं कर रहे हैं। (चित्र 2)

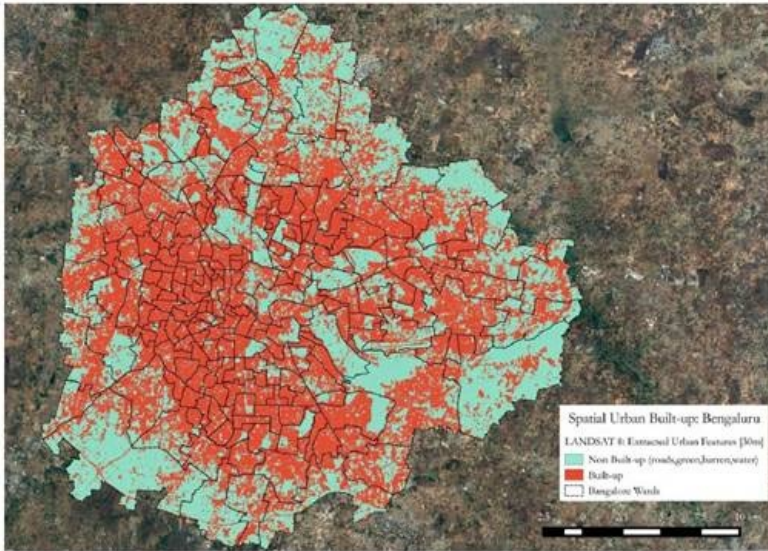


Figure 2: Spatial Urban Built-up Extent

प्रतिस्पर्धा बदलाव और प्रगति का एक शक्तिशाली वाहक बन रही है और इस प्रतिस्पर्धा का विस्तार राज्यों और महानगरों के बीच आवश्यक रूप से होना चाहिए। महानगरों जिन्हें उत्तरदायित्व दी गई है, संसाधनों से सशक्त बनाया गया और जवबादेही दी गई वे प्रतिस्पर्धी संघवाद के प्रभावी वाहक हो सकते हैं और तब वास्तव में उप संघवाद की शुरुआत होगी।

वि.लक्ष्मी/सुविधा/अमित/जितेन्द्र/इन्दपाल/राजीवरंजन/शशि/राणा/गांधी/रीता/मनीषा/विकास/ यशोदा/सुनीता/गीता/सुनील/सागर/धर्मद्व/महेश/हरेन्द्र/राजीव/

राज/जगदीश 15

(Release ID: 1485586) Visitor Counter : 7

